जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

जुलाई-दिसम्बर 2016 | त्रैमासिक समाचार पत्रिका | वर्ष-01 अंक - 01

इस अंक में

- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
- आंचलिक कार्यशाला ग्वालियर
- आंचलिक कार्यशाला भुवनेश्वर
- विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ
- वितरित किये गये मृदा स्वास्थ्य पत्रकों की तालिका

संरक्षक
प्रो. व्ही.एस. तोमर
कुलपति
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रकाशक
संचालनालय विस्तार सेवायें
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

E-mail:desjnau@rediffmail.com
Tele-fax: 0761-2681710
www.jnkvv.org

शुभकामना सदेश

आज हमारे सामने जलवायु परिवर्तन से जुड़ी कई चुनौतियाँ हैं जिनमें प्रमुख है बाढ़ और सूखा । देश में वर्षा ऋतु का जल अगर संरक्षित करने की व्यवस्था है तो दोनों प्रकार की समस्याओं से कुछ हद तक निज़ात पा सकते हैं। वर्तमान में वर्षा जल की अधिकतम मात्रा नदियों में बह जाती है तथा वर्षा जल के भंडारण की क्षमता सीमित है इसलिये आवश्यक है कि वर्षा जल के संचय की उचित व्यवस्था की जाये। पानी की कमी वाले क्षेत्रों में आवश्यक है कि ऐसी फसल एवं उनकी प्रजातियों का विकास एवं विस्तार किया जाये जिनकी पैदावार पानी की कमी या सूखे से प्रभावित न हो, कम पानी की स्थिति में टपक सिचांई तथा फव्वारा सिंचाई विधि का उपयोग, बंजर भूमि एवं सड़क के किनारे वृक्षारोपण कर वर्षा जल का संचय एवं भूमिगत पानी का संरक्षण कर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है।

इस दिशा में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा जवाहर विस्तार दर्पण के द्वारा प्रसार गतिविधियों को आप तक पहुँचाकर मुझे प्रसन्नता हो रही है।

प्रोफेसर विजय सिंह तोमर
कुलपति, ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर

संचालक की कलम से

कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाना एवं कृषकों की आय को दोगुना करना राष्ट्र की प्राथमिकता है । हमारे देश में विश्व की 3 प्रतिशत भूमि एवं 4 प्रतिशत जलराशि है किन्तु हमारे पास पूरे विश्व की 17 प्रतिशत जनसंख्या है, 125 करोड़ की जनसंख्या का भरण पोषण वस्तुत: कृषि क्षेत्र के लिए एक चुनौती है । प्रत्येक जिले के कृषि विज्ञान केन्द्रों ने स्वयं एवं राज्य शासन को जन मानस तक पहुँचाने में महत्ती भूमिका का निर्वाह किया है, फलस्वरूप प्रदेश में कृषि विकास की वृद्धि दर विगत वर्षों में लगातार 20 प्रतिशत के ऊपर बनी हुई है एवं प्रदेश को लगातार कृषि कर्मण अवार्ड प्राप्त हो रहा है । कृषि क्षेत्र के समग्र विकास हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पदस्थ कृषि वैज्ञानिक पूर्वानुसार अपनी सक्रिय भागीदारी का निर्वहन करते रहेंगें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रक कृषि तकनीक के प्रचार-प्रसार के कार्यों को और अधिक गतिशीलता प्रदान करेगा।

डॉ. पी.के. बिसेन
संचालक विस्तार सेवायें
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस -

ज.ने.कृ.वि.वि. में दिनांक 05 दिसम्बर 2016 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस आयोजित किया गया इस अवसर पर मृदा स्वास्थ्य पत्रक किसानों को वितरित किये गये। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. व्ही.एस. तोमर ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुये कहा कि हमारे शरीर को जिस प्रकार विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार

मृदा (मिट्टी) को भी आवश्यकता होती है, हम सिर्फ मृदा से ले रहे हैं परन्तु देना भूल जाते हैं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर डॉ. स्वाति सदानंद गोडबोले ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करें पर शोषण नहीं। कृषि वि.वि. ने सौ फसलों की लगभग 400 प्रजातियां विकसित की है, जो लोकप्रिय तथा अच्छी पैदावार दे रही है ।

समारोह की विशिष्ट अतिथि श्रीमती मनोरमा पटेल ने कहा कि याद रहे कि स्वस्थ मृदा से मानव की तंदुरूस्ती जुड़ी है अत: वैज्ञानिकों से मृदा परीक्षण करवाकर मृदा को मजबूत और सेहतमंद बनाना हमारा नैतिक दायित्व है। कार्यक्रम में अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक शिक्षण डा. धीरेन्द्र खरे, कुल सचिव अशोक कुमार इंगले, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, डॉ. ओम गुप्ता, उप संचालक कृषि डॉ. आनंद मोहन शर्मा एवं संयुक्त संचालक विस्तार डॉ. दिनकर शर्मा आदि की उपस्थिति में किसानों को मृदा स्वास्थ्य पत्रक का वितरण किया गया, कार्यक्रम में 400 क्षेत्रीय कृषकों ने भाग लिया।

आंचलिक कार्यशाला ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में दिनांक 10-11 अगस्त 2016 को क्लस्टर प्रदर्शन (दलहन तिलहन) के अंतर्गत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला का उद्घाटन माननीय कुलपति डॉ. ए.के. सिंह, ग्वालियर द्वारा किया गया। कार्यशाला में रबी 2015-16 की प्रगति एवं खरीफ 2016 के कार्यक्रम की समीक्षा की गई, विस्तार संचालनालय, जबलपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय वैशंपायन द्वारा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों की जानकारी प्रस्तुत की गई । इस कार्यशाला में जोन-VII के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों की भागीदारी रही ।

आंचलिक कार्यशाला भुवनेश्वर

■ केन्द्रीय साफजल मत्स्कीय संस्थान (सीफा) भुवनेश्वर में 23वीं आंचलिक कार्यशाला दिनांक 03-05 सितम्बर, 2016 को आयोजित की गई जिसमें अटारी (भा.कृ.अनु.परि.) जोन-VII के अंतर्गत आने वाले सभी 100 कृषि विज्ञान केन्द्रों की भागीदारी रही । इस कार्यशाला का उद्घाटन केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री श्री महापात्रा द्वारा किया गया।

■ वेयरहाउसिंग डेवलपमेंट एण्ड रेगुलेटरी अथार्टी पर दिनांक 16 दिसम्बर 2016 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा के लगभग 40 से अधिक पौध संरक्षण के वैज्ञानिक उपस्थित हुये, कार्यशाला में नई दिल्ली से श्री हरिकिशन डबास मुख्य वक्ता थे।

■ नवीन उन्नत कृषि तकनीक पर आधारित मास्टर्स ट्रेनर हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 26 से 28 दिसम्बर 2016 को किया गया। प्रशिक्षण में 40 से अधिक कृषक प्रशिक्षण केन्द्रों के प्राचार्य एवं सहायक संचालक कृषि उपस्थित थे। प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम् वैज्ञानिकों द्वारा कृषि की आधुनिक तकनीकी पर लोगों को प्रशिक्षित किया गया जिससे की कृषकों की आय आगामी वर्षों दुगुनी हो सके।

कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

राणा हनुमानसिंह कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गॉव, बालाघाट में दिनांक 14 सितम्बर 2016 को राणा हनुमान सिंह की जयंती के अवसर पर विशाल किसान सम्मेलन सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माननीय प्रधान मंत्री के संकल्पानुसार किसानों की आय दुगनी करने हेतु कृषि उत्पादन प्रक्रिया में वैज्ञानिक तकनीक का उपयोग कर जानकारी देना एवं कृषि उत्पादन में वृद्धि करना था। कार्यक्रम में जिले के सुदूर क्षेत्रों से आये हुए लगभग 2000 कृषकों, किसान मित्रों

किसान सम्मेलन में अतिथिगण

संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन

एवं कृषि विस्तार अधिकारियों ने सहभागिता दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बालाघाट-सिवनी के सांसद श्री बोधसिंह भगत, अध्यक्षता डॉ. पी के बिसेन, संचालक विस्तार सेवाएँ, ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर तथा विशिष्ट अतिथि श्री के. डी. देशमुख, विधायक कटंगी, सुश्री हिना कावरे, विधायक लॉजी, श्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व विधायक बालाघाट, श्री विनय सारस्वार, ट्रस्टी राणा हनुमान सिंह फाऊंडेशन ट्रस्ट एवं डॉ. व्ही.बी. उपाध्याय, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, बालाघाट के गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिंडोरी

क्लस्टर प्रदर्शन अरहर- क्लस्टर प्रदर्शन अरहर के अन्तर्गत जिले के बजाग विकासखण्ड के अंगीकृत गांव पिण्डरूखी एवं शिवरी में कुल 20 हे. में 50 कृषकों के प्रक्षेत्र पर अरहर की उन्नत उत्पादन तकनीक के साथ उन्नत बीज किस्म लक्ष्मी (आई.सी.पी.एल.-85063) तथा जैव उर्वरक राइजोबियम एवं पी.एस. बी. कल्चर का उपयोग किया गया है।
क्लस्टर प्रदर्शन तिलहनी फसल- तिलहनी फसलों के अन्तर्गत

अरहर (आई.सी.पी.एल.-85063)

रामतिल फसल की जे.एन.सी.-6 किस्म के साथ ही अमरबेल प्रबंधन पर 75 प्रदर्शन कुल 30 हे. क्षेत्र में डाले गये। कृषकों को अमरबेल प्रबंधन हेतु बुवाई के 48 घन्टे के अन्दर पेण्डीमेथलीन का छिड़काव एवं भुरकाव (रेत में मिलाकर) कराया गया। जैसा कि ज्ञात है कि रामतिल डिण्डौरी की प्रमुख तिलहन फसल है जो कि ऊंची नीची बंजर व सभी प्रकार की भूमियों में की जा सकती है।

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन खरीफ- आदिवासी उपयोजना, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर के अंतर्गत खरीफ मौसम में अरहर किस्म टी.जे.टी.-501 के 25 प्रदर्शन ग्राम बरगा, विकास खण्ड समनापुर में आयोजित किये गये जिसमें उन्नत बीज एवं जैव उर्वरकों का उपयोग किया गया ।

अंग्रिम पंक्ति प्रदर्शन- धान फसल की किस्म एम.टी.यू.1010 के 25 प्रदर्शन बैगांचल ग्राम कथरिया, जल्दाबौना एवं पिपरिया विकासखण्ड बजाग में 25 कृषकों के प्रक्षेत्र पर किये गये है। इसी प्रकार अरहर किस्म आई.सी.पी.एल.-85063 के 25 प्रदर्शन बैगांचल ग्राम कथरिया, पिपरिया एवं खपरीपानी विकासखण्ड बजाग में कृषकों के यहाँ उन्नत किस्म तथा जैव उर्वरक दिये गये। रामतिल किस्म जे.एन.सी.-6 के 25 प्रदर्शन ग्राम कथरिया, खपरीपानी एवं पिपरिया विकासखण्ड बजाग में कृषकों के खेतों पर आयोजित किये गये, जिसमें कृषकों को अमरबेल प्रबंधन हेतु बुवाई के 48 घंटे के अन्दर पेण्डीमेथलीन का छिड़काव एवं भुरकाव (रेत में मिलाकर) कराया गया।

क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन रामतिल किस्म जे.एन.सी.-6 खरीफ 2016

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

उन्नत कृषि तकनीकी अपनाने हेतु कृषकों का प्रक्षेत्र भ्रमण:- दिनांक 22, 23 व 28 सितम्बर 2016 को विकासखण्ड नैनपुर, मवई एवं बिछिया से क्रमश: 81, 38 एवं 22 कृषकों ने कृषि विज्ञान केंद्र, मण्डला प्रक्षेत्र में आकर कृषि की उन्नत तकनीकी के संबंध में जानकारी प्राप्त की साथ ही कृषकों ने प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान विभिन्न ईकाइओं जैसे बकरी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, फसल संग्रहालय, एजोला इकाई एवं बीज उत्पादन तकनीक का अवलोकन कर संबंधित जानकारी प्राप्त की । अन्य जिलों जैसे दमोह, बालाघाट, अनूपपुर एवं सिवनी से भी लगभग 97 कृषकों ने कृषि विज्ञान केंद्र, मण्डला प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया एवं वैज्ञानिकों से कृषि की उन्नत तकनीकी के साथ-साथ पशु पालन, बकरी पालन आदि के बारे में चर्चा की।

गाजरघास उन्मूलन सप्ताह - केन्द्र द्वारा अगस्त माह में गाजर घास उन्मूलन सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम में समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ ग्रामीण कृषि अनुभव के लिए कृषि महाविद्यालय, से आये हुए छात्रों ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया।

गाजर घास उन्मूलन सप्ताह

वृक्षारोपण कार्यक्रम - वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत प्रक्षेत्र पर लगभग 150 फल एवं अन्य प्रकार के वृक्षों (आम, नींबू, कटहल, आंवला, गुलमोहर, महुआ, मुनगा आदि) का रोपण किया गया। वृक्षारोपण का कार्य कृषि वैज्ञानिकों एवं ग्रामीण कृषि अनुभव के लिए कृषि महाविद्यालय से आये हुए छात्रों के साथ मिलकर किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा का सफल आयोजन- कृषि विज्ञान केंद्र, मण्डला द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के दिशा निर्देशन में स्वच्छता पखवाड़ा (दिनांक 16 से 31 अक्टूबर 2016) का आयोजन विभिन्न ग्रामों (जैसे किन्द्री, नकावल, इमलियामाल, धुतका, आमाटोला, सकरी, इमलिया रैयत, चटुआमार इत्यादि) में विभिन्न गतिविधियों जैसे प्रशिक्षण रैली, साफ-सफाई, जागरूकता अभियान आदि के माध्यम से किया गया। प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम किये गये जिसमें ग्रामवासियों को साफ-सफाई के महत्व एवं इससे होने वाले लाभ के बारे में बताया गया। साथ ही अपने निजी जगहों के अलावा सार्वजनिक/सरकारी स्थानों जैसे स्कूल, गाम पंचायत, सामुदायिक भवन आदि की साफ-सफाई रखने हेतु प्रेरित किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष का उद्बोधन

विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस सह रबी पूर्व कृषक मेला समपन्न

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के सहयोग से 5 दिसम्बर 2016 को कृषि विज्ञान केंद्र एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मण्डला के संयुक्त तत्वाधान में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस सह रबी पूर्व कृषक मेले का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र मण्डला में मान. श्रीमति संपतिया उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य एवं श्री नीरज मरकाम, सभापति, कृषि स्थायी समिति, मण्डला की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री शैलेष मिश्रा जी, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत, मण्डला, श्री सुनील नामदेव, अध्यक्ष, कृषि उपज मण्डी, बिछिया, श्री उमेश शुक्ला, अध्यक्ष, किसान मोर्चा थे।

तकनीकी सत्र में श्री विजय सिंह सूर्यवंशी, कार्यक्रम सहायक, कृषि विज्ञान केंद्र, मण्डला, मोहन सिंह मरावी, उद्यान विभाग, मण्डला, के.के. ठाकुर एवं प्रगतिशील कृषक द्वारा मिट्टी परीक्षण, रबी फसलों की कृषि कार्यमाला एवं कृषि संबंधी उन्नत जानकारी से अवगत कराया गया अंत में इंजी आर.के. स्वर्णकार द्वारा समस्त आगंतुकों का आभार प्रदर्शन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

पशु स्वास्थ्य शिविरः- कृषि विज्ञान केंद्र एवं पशु चिकित्सा विभाग के संयुक्त प्रयास से ग्राम फुलारा में दिनाँक 13 जुलाई 2016 को पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया कार्यक्रम में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सक्षम चोपड़ा द्वारा ग्राम फुलारा में खुरपका एवं मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु पशुओं का टीका लगाया गया। डॉ एन.के. बिसेन, कार्यक्रम समन्वयक द्वारा किसानों से चर्चा के दौरान पशु टीकाकरण, पशुओं की देखभाल एवं पशुशाला की साफ-सफाई से होने वाले लाभ

पशु स्वास्थ्य शिविर

से अवगत कराया। डॉ. निखिल सिंह ने पशुओं से प्राप्त गोबर का उपयोग केंचुआ खाद् बनाने तथा बाडी में सब्जियों के उत्पादन में करने की सलाह दी, जिससे सब्जियों से अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

गाजर घास उन्मूलन दिवस - राष्ट्रीय खरपतवार अनुसंधान संस्थान जबलपुर द्वारा दिनाँक 22अगस्त 2016 को सिवनी जिले के नागनदेवरी ग्राम में गाजर घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया ।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ पी.के. सिंह, प्रमुख वैज्ञानिक, राष्ट्रीय खरपतवार अनुसंधान संस्थान जबलपुर ने अपने उद्बोधन में ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को गाजर घास से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत करवाया। कार्यक्रम समन्वयक, डॉ एन. के. बिसेन ने विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों से कहा कि वह अपने घरों के आसपास एवं खेतों में गाजर घास न होने दे व अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें।

राष्ट्रीय पोषण आहार सप्ताह संपन्न- राष्ट्रीय पोषण आहार के अन्तर्गत 1-7 सितंबर 2016 तक पोषण आहार सप्ताह मनाया गया इसी तारतम्य में 2 सितंबर 2016 को कृषि वैज्ञानिकों एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर से ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव हेतु आये हुए रावे छात्राओं तथा प्रगतिशील कृषकों एवं कृषक महिलाओं की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। वैज्ञानिक श्री एस.के. चौरसिया ने पोषण आहार सप्ताह पर प्रकाश डाला तथा खाद्य एवं पोषण आहार वैज्ञानिक श्री ध्रुव श्रीवास्तव द्वारा खाद्य पदार्थो को कम लागत पर कैसे संतुलित बनाये तथा आहार की मात्रा कैसे बच्चों को कितना एवं किस

राष्ट्रीय पोषण आहार सप्ताह

तरह खिलाना है पर प्रकाश डाला तथा मुनगा के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन की तकनीक बताई । इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया एवं कुपोषण को कम करने का संकल्प लिया।

बीज उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण - जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं कृषि विज्ञान केंद्र सिवनी द्वारा कृषक एवं कृषक महिलाओं हेतु दिनाँक 28 अगस्त 2016 को ग्राम कांचना में बीज उत्पादन तकनीक के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. डी.के. मिश्रा, संचालक प्रक्षेत्र, ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर ने अपने उद्बोधन में कृषकों को उन्नत प्रजाति एवं प्रमाणित बीज उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि उन्नतशील बीज तकनीक से, फसल उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी की जा सकती है किसान स्वयं अपने खेतों पर का बीज

तैयार कर खेती में लागत को कम कर सकते है। प्रमुख वैज्ञानिक डॉ जी.के. कोतू द्वारा बताया गया कि यह क्षेत्र धान के संकर बीज उत्पादन के लिये उपयुक्त है यहाँ जलवायु एवं तापक्रम के हिसाब से अधिक गुणवत्ता वाला धान का बीज उत्पादित किया जा सकता है, अत: किसान अधिक से अधिक बीज का उत्पादन उचित तकनीकी को अपना कर करें। डॉ. एम.एस. भाले, द्वारा धान में लगने वाली बीमारियों की रोकथाम हेतु विस्तृत जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

प्रधानमंत्री फसल बीमा पर जिला स्तरीय कार्यशाला – खरीफ एवं रबी मौसम मे फसलों का बीमा कराने तथा कृषकों को जागरूक करने हेतु जिला स्तर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री एच.एस. मीणा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत उमरिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। श्री मीणा ने उपस्थित कृषकों को अधिक से अधिक फसल बीमा कराने हेतु प्रेरित किया ताकि फसलों में प्राकृतिक आपदा से होने वाली हानि की भरपाई की जा सके। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. के.पी. तिवारी तथा प्रसार वैज्ञानिक श्री के.व्ही. सहारे ने खरीफ एवं रबी मौसम मे बोई जाने फसलों की उपयुक्त किस्मों के बारे मे जानकारी दी तथा किसानों से आव्हान किया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिक से अधिक लाभ लें ताकि फसलों में होने वाली क्षति की पूर्ति की जा सके।

फसल बीमा पर जिला स्तरीय कार्यशाला

गाजरघास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह – भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के खरपतवार निदेशालय, जबलपुर के सहयोग से कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया ने गाजर घास उन्मूलन एवं उससे होने वाली क्षति के प्रति लोगों को जागरूक बनाने के लिए दिनांक 16-17 अगस्त 2016 को कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. के.पी. तिवारी, प्रसार वैज्ञानिक श्री के.व्ही. सहारे एवं कृषि महाविद्यालय, रीवा के रावे छात्रों द्वारा ग्राम डबरौहा एवं कछरवार के विद्यालय में उपस्थित विद्यार्थियों को गाजरघास से मनुष्य एवं पशुओं को होने वाली क्षति के विषय में जानकारी दी गई साथ ही साथ गाजरघास को नष्ट करने के तरीके जैसे यांत्रिक विधि, जैविक विधि एवं रासायनिक विधियों के बारे मे चर्चा कर रैली निकाली गई। स्कूल परिसर मे उगी हुई गाजर घास पर गाजरघास को खाने वाले कीट (अमेरीकन बीटल) एवं रासायनिक नियंत्रण के तहत ग्लायफोसेट दवा का छिड़काव भी किया गया।

विश्व मृदा स्वास्थ दिवस – दिनांक 05 दिसम्बर 2016 को विश्व मृदा स्वास्थ दिवस का आयोजन संपन्न हुआ जिसमें कुल 650 कृषकों, महिलाओं, जन प्रतिनिधियों एवं वैज्ञानिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान 2460 कृषकों का मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किया गया।

रबी पूर्व किसान मेला का आयोजन – दिनांक 05 दिसम्बर 2016 को रबी पूर्व किसान मेला संपन्न हुआ जिसमें लगभग 650 कृषकों, महिलाओं, जन प्रतिनिधियों, एवं वैज्ञानिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री मिथलेश प्यासी, जिला पंचायत सदस्य, मुख्य अतिथि श्री रामकिशोर चतुर्वेदी, जनपद अध्यक्ष, मानपुर एवं श्रीमती माया सिंह, जनपद अध्यक्ष, पाली तथा विशिष्ट अतिथि प्रमुख वैज्ञानिक डॉ एस.के. त्रिपाठी, कृषि महाविद्यालय, रीवा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ संजय वैशंपायन, डॉ ए.आर. वासनीकर, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर एवं संयुक्त संचालक कृषि श्री के.पी. पाण्डेय थे। बीज प्रमाणीकरण अधिकारी श्री आर.के. कुलश्रेष्ठ एवं सहायक बीज प्रमाणीकरण अधिकारी श्री वी.एन. त्रिपाठी भी उपस्थित थे। केन्द्र द्वारा लगाई गयी प्रदर्शनी एवं अरहर की धारवाड़ पद्धति से लगाई गई अरहर फसल एवं मधुमक्खी पालन ईकाई प्रमुख आकर्षण के केन्द्र रहे। डॉ. संजय वैशम्पायन, वरिष्ठ वैज्ञानिक दलहन व

मृदा स्वस्थ्य पत्रक का वितरण

तिलहन फसलों मे कीट प्रबंधन, डॉ. ए.आर. वासनीकर, कीट एवं जैविक रोग प्रबंधन एवं डॉ के.पी. तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा अरहर की धारवाड़ पद्धति द्वारा बंजर भूमि में खेती की तकनीकी बताई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रामकिशोर चतुर्वेदी ने वैज्ञानिकों द्वारा प्रदर्शित उन्नत तकनीकी को कृषकों द्वारा अपने-अपने खेतों तक ले जाने का आव्हान किया एवं कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा चलायी जा रही गतिविधियों पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ

रबी पूर्व किसान मेला

आर.आर. सिंह व श्री अरूण रजक का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार डॉ के.पी. तिवारी द्वारा किया गया।

अरहर की सघन पद्धति का अवलोकन

अरहर की सघन पद्धति पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन- कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा सघन पद्धति से लगाई गई अरहर फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। कृषकों द्वारा फसल अवलोकन में प्रजाति टी.जे.टी. 501 को अन्य की तुलना में बेहतर पाया। फसल के पौधे कलियों से लदे हुए देखकर कृषकों का मन उमंगित हो उठा।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति एवं परामर्श मंडल का भ्रमण- मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति एवं परामर्श मंडल ने कृषि विज्ञान केन्द्र का भ्रमण 12 अगस्त 2016 को किया। समिति के सभापति, श्री केदार नाथ शुक्ला के नेतृत्व में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों की जानकरी ली गई। कार्यक्रम समन्यवयक, डॉ. मृगेन्द्र सिंह ने केन्द्र द्वारा संचालित सभी तरह की गतिविधियाँ जैसे कृषक प्रक्षेत्र परीक्षण, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन द्वारा पोषित दलहन प्रदर्शन एवं कृषक महिला प्रशिक्षण आदि की जानकारी दी गई। साथ ही परिसर में स्थित प्रदर्शन इकाइयाँ, अति सघनीकरण अमरूद, सघनीकरण आम एवं फसल संग्रहालय में लगी कई तरह की सब्जियों के प्रदर्शन का अवलोकन कराया गया। इस अवसर पर केन्द्र द्वारा संरक्षित पुरानी विलुप्त होती धान की किस्मों, हर्बल-गुलाल, कृषि में उपयोगी यंत्र की प्रदर्शनी, का अवलोकन कराया गया। केन्द्र द्वारा संचालित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में मिट्टी परीक्षण गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की साथ ही मृदा स्वास्थ्य पत्रक वितरण के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

गाजर घास जागरूकता दिवस का आयोजन - दिनांक 27 अगस्त 2016 को सांसद आदर्श ग्राम केलमनिया में गाजर घास के एकीकृत नियंत्रण हेतु गाजर घास उन्मूलन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच श्री कामता प्रसाद मसराम मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम मे श्रीमती अल्पना शर्मा, गृह वैज्ञानिक ने कृषकों को बताया कि गाजर घास हानिकारक खरपतवार है और इसके सम्पर्क में आने से मनुष्यों एवं पशुओं में कई घातक रोग जैसे- श्वास सम्बंधित रोग-दमा, त्वचा संम्बधित रोग- एग्जिमा एवं खुजली, बुखार आना, एलर्जी होती है।

उड़द की उन्नत किस्म के उत्पादन पर प्रक्षेत्र दिवस मनाया गया - 'अदिवासी उप योजना' के अंतर्गत उड़द की उन्नत किसमें शेखर-2 एवं पी.यू.-19 के उत्पादन पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के माध्यम से ग्राम खाम्हा, वि.ख. गोहपारू में 'प्रक्षेत्र दिवस' दिनांक 15 सितम्बर 2016 को आयोजित किया गया, जिसमे खाम्हा तथा आसपास के ग्राम के करीब 61 कृषक, महिला कृषक तथा बच्चों ने भाग लिया।

अरहर सघनीकरण विधि का प्रदर्शन

केन्द्र के वैज्ञानिक पी.एन. त्रिपाठी ने ग्राम- खाम्हा मे केन्द्र द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों की जानकारी देते हुए किसानों से कहा कि अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए खेती की सभी वैज्ञानिक तकनीकी को अवश्य अपनाना चाहिए साथ ही खरीफ फसलों में सस्य प्रबंधन एवं कीट-व्याधि प्रबंधन के विषय में जानकारी किसानों को दी।

पॉलीहाउस में झरबेरा का निरीक्षण

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत अरहर में सघनीकरण विधि द्वारा डाले गये प्रदर्शनों का भ्रमण एवं निरीक्षण - कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अतंर्गत खरीफ 2016 में अरहर में प्रदर्शन किये गये है। इसमें तीन कल्स्टर - कठौतिया, चटहा और दादर में प्रदर्शन डाले गये है। इन प्रदर्शन में अरहर किस्म- टी.जे.टी. 501 सघनीकरण विधि से लगी प्रदर्शनों का निरीक्षण डॉ. टी.आर. आठारे, वैज्ञानिक कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान द्वारा दिनांक 19 सितम्बर 2016 को किया गया। इस निरीक्षण के दौरान ग्राम कठौतिया ब्लाक-सोहागपुर के कई किसानों के प्रदर्शनो का सघन भ्रमण किया गया। इस भ्रमण के दौरान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मृगेन्द्र सिंह ने मौजूद कृषकों को देशी विधि की सघनीकरण विधि से तुलना करते हुए बताया जैसे उपस्थित शाखाओं की संख्या, बीज दर अंतवर्ती फसल लेना इत्यादि और इसका ब्यौरा रखने को कहा।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाडा

पालीहाउस में झरबेरा का अवलोकन : कृषि विज्ञान केन्द्र छिंदवाडा में माननीय कुलपति व्ही.एस. तोमर, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर द्वारा जिले के उन्नतशील कृषक श्री शरद चौहान के खेत पर भ्रमण किया गया। ये ग्राम गाडरवारा लेंगा के उन्नत कृषक हैं तथा पॉलीहाउस में

उगाये गये झरवेरा का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के सभी वैज्ञानिक उपस्थित थे। छिंदवाडा के जिलाधीश श्री जे.के. जैन द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र की विभिन्न विस्तार गतिविधियों का निरीक्षण किया गया इसमें प्रमुख रूप से कडकनाथ मुर्गी (हैचरी), अनार उत्पादन एवं अन्य गतिविधियों की सराहना की। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों के अतिरिक्त क्षेत्रीय अनुसंधान, छिंदवाडा के भी वैज्ञानिक उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

स्वछता अभियान:

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर में अक्टूबर से दिसम्बर के मध्य स्वच्छता अभियान के 4 कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें लगभग 150 कृषकों और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

स्वच्छता अभियान

विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस:

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर में दिनांक 5 दिसंबर को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 120 कृषकों ने भाग लिया एवं 120 मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया।

मृदा स्वास्थ्य पत्रक का वितरण

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

कृषकों द्वारा क्राप कैफेटेरिया एवं तकनीकी पार्क भ्रमण

■ राज्यस्तरीय कृषक भ्रमण दल मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार एवं छत्तीसगढ़ राज्य के लगभग 700 कृषकों ने क्राप कैफेटेरिया में फल, सब्जियों, अनाज फसल एवं केंचुआ खाद उत्पादन तकनीकी का भ्रमण किया तथा तकनीक के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

■ संसदीय समिति तथा तकनीकी अवलोकन समिति द्वारा माननीय कुलपति डॉ. व्ही.एस. तोमर, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय की उपस्थिति में 6 अगस्त, 2016 को कृषि विज्ञान केन्द्र में स्थापित क्राप कैफेटेरिया एवं ट्रायकोडर्मा एवं सुडोमोनास, पी.एस.बी. कल्चर से उपचारित केंचुआ खाद तकनीकी का अवलोकन किया तथा केन्द्र द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना की।

■ **तकनीकी हस्तांतरण**- वर्ष 2016-17 में दलहनी फसल प्रदर्शन 50 एकड़ क्षेत्र में अरहर की उन्नत किस्म टी.जे.टी-501 एवं पौध रोपण तकनीक का प्रदर्शन जबलपुर, शहपुरा एवं कुण्डम विकासखण्ड के तीन-तीन गांवों में किया गया है। फसल का प्रदर्शन धारवाड़ पद्धति द्वारा पौध रोपड़ कर किया गया। लगभग 150 कृषकों द्वारा 400 हे. क्षेत्रफल में इस तकनीकी को अंगीकृत किया गया हैं।

■ **''इको फ्रेन्डली पेपर बैग एवं ऑफिस फाईल निर्माण'' पर 30 दिवसीय प्रशिक्षण :-** कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों हेतु स्वरोजगार में दक्षता प्रदान करने के उद्देश्य से 30 दिवसीय प्रशिक्षण

आयोजित किया गया । प्रशिक्षणार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के पेपर का उपयोग कर शापिंग बैग, गिफ्ट बैग, साड़ी, लाड़ी बैग, शादी के लिफाफे, ऑफिस फाइलें एवं सेनेटरी नैपकिन, डिस्पोजेबल ग्लास आदि को उत्कृष्ट तकनीक से तैयार करने का कौशल प्रदाय किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं द्वारा स्व सहायता समूह बनाकर इकोफ्रेंडली पेपर बैग, लिफाफे एवं ऑफिस फाईल कवर के व्यवसाय से अतिरिक्त आय अर्जित करना है। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य आतिथि जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन ने इस प्रशिक्षण को महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन हेतु महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण स्वावलम्बन के साथ ही पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा क्योंकि वर्तमान में पोलीथीन का उपयोग इतना बढ़ गया है जिसकी वजह से अनेकों समस्याओं का सामना हम सबको करना पड़ रहा है इसकी जगह इकोफ्रेंडली पेपर बैग थैलियों का उपयोग करने से पर्यावरण सुरक्षा में हम सबकी भागीदारी बढ़ेगी।

प्रगति प्रतिवेदन - विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस, 2016

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	कार्यक्रम स्थल	किसानों की संख्या	सम्मिलित ग्रामों की संख्या	वितरित पत्रकों की संख्या
बालाघाट	कृषि महाविद्यालय वारासिवनी, बालाघाट	450	38	400
बैतूल	कृषि विज्ञान केन्द्र	459	68	1340
छतरपुर	कृषि विज्ञान केन्द्र	120	22	6797
छिंदवाडा	कृषि विज्ञान केन्द्र	715	55	10000
दमोह	कृषि विज्ञान केन्द्र	384	34	328
डिंडोरी	कृषि विज्ञान केन्द्र	400	74	750
हरदा	कृषि उपज मण्डी	450	12	250
जबलपुर	कृषि महाविद्यालय, जबलपुर	400	9	250
कटनी	कृषि विज्ञान केन्द्र	315	33	30
मण्डला	कृषि विज्ञान केन्द्र	419	28	360
नरसिंहपुर	कृषि विज्ञान केन्द्र	350	85	1500
पन्ना	कृषि विज्ञान केन्द्र	495	22	400
पवारखेड़ा	कृषक प्रशिक्षण केन्द्र	251	22	800
रीवा	कृषि महाविद्यालय, रीवा	541	14	480
सागर	कृषि विज्ञान केन्द्र	674	63	5500
सिवनी	कृषि विज्ञान केन्द्र	590	54	530
शहडोल	कृषि विज्ञान केन्द्र	256	39	2864
सीधी	कृषि विज्ञान केन्द्र	250	30	176
टीकमगढ	कृषि महाविद्यालय,टीकमगढ	250	44	450
उमरिया	कृषि विज्ञान केन्द्र	650	26	2460

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

Tele-fax: 0761-2681710, E-mail: desjnau@rediffmail.com

www.jnkvv.org